बुद्धि के सिद्धान्त

Theories of Intelligence

किस प्रकार का व्यवहार व्यक्ति को बुद्धिमान या बुद्धिहीन बनाता है? बुद्धि किस प्रकार काम करती है? इन प्रश्नों के उत्तर से यह नहीं पता चलता कि बुद्धि का ढाँचा क्या है अर्थात् बुद्धि में कौन-कौन से तत्व सम्मिलित हैं। मनोवैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर प्रस्तुत किए गए बुद्धि सम्बन्धी सिद्धान्तों द्वारा इस प्रश्न के उत्तर को समझा जा सकता है। प्रमुख सिद्धान्त हैं:—

(1) ~~द्विकारक~~ द्वि-कारक सिद्धान्त

(Two-factor theory)

Scanned with CamScanner

समूह कारक सिद्धान्त (Group-factor theory)
बहुकारक सिद्धान्त (Multi-factor theory)
पदानुक्रमिक सिद्धान्त (Hierarchical theories)
बहुबुद्धि सिद्धान्त (Theory of multiple intelligence)

Three dimensional theory
त्रि-तंत्र या त्रि-स्तरीय सिद्धान्त

Two factor theory — द्वि-कारक सिद्धान्त

इस सिद्धान्त का प्रतिपादन ब्रिटेन के मनोवैज्ञानिक स्पीयरमैन (Spearman) ने 1904 में किया।

इन्होंने बताया कि बुद्धि की संरचना (structure) में मुल रूप से दो कारक (factors) निहित होते हैं —
सामान्य कारक (g-factor) तथा विशिष्ट

Scanned with CamScanner

कारक (S-factor)।

स्पीयरमैन के अनुसार 'g' कारक से तात्पर्य यह होता है कि प्रत्येक व्यक्ति में हर मानसिक कार्य करने की एक सामान्य क्षमता (general capacity) भिन्न-भिन्न मात्रा में होती है। इस तरह सभी मानसिक क्रियाओं के करने में 'g' कारक भिन्न-भिन्न मात्रा में व्यक्ति में मौजूद होते हैं। यही कारण है कि 'g' कारक को स्पीयरमैन ने मानसिक ऊर्जा (mental energy) की संज्ञा दी है। स्पीयरमैन के अनुसार जिस व्यक्ति में 'g' कारक जितना ही अधिक होगा वह व्यक्ति उतना ही अधिक सभी तरह के मानसिक कार्यों को करने में प्रवीण होगा।

Scanned with CamScanner

स्पीयरमैन का यह भी विचार था कि प्रत्येक मानसिक कार्य करने में कुछ विशिष्टता की भी जरूरत पड़ती है, क्योंकि हर मानसिक कार्य एक - दूसरे से कुछ न कुछ भिन्न होता है। स्पीयरमैन ने इस कारक को 'S' कारक की संज्ञा दी है।

'g' कारक (सामान्य कारक) की विशेषताएँ—

1. यह कारक सभी व्यक्तियों में पाया जाता है।

2. यह कारक जन्मजात होता है।

3. यह कारक सदैव समान रहता है।

Scanned with CamScanner

4. सामान्य कारक जिस व्यक्ति में अधिक होता है, वह दूसरों की अपेक्षा जीवन में अधिक सफल रहता है।

5. यह कारक जीवन के प्रायः सभी कार्यों के लिए आवश्यक होता है।

'S' कारक की विशेषताएं —

1. यह कारक भिन्न-भिन्न व्यक्तियों में भिन्न-भिन्न अर्थात् कम या अधिक मात्रा में पाया जाता है।

2. व्यक्ति में जिस विशिष्ट कारक की अधिकता होती है, वह उसी में निपुण होता है।

3. विशिष्ट कारक को अर्जित किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

art, handicraft, etc.

This theory can be explained by the following diagram :

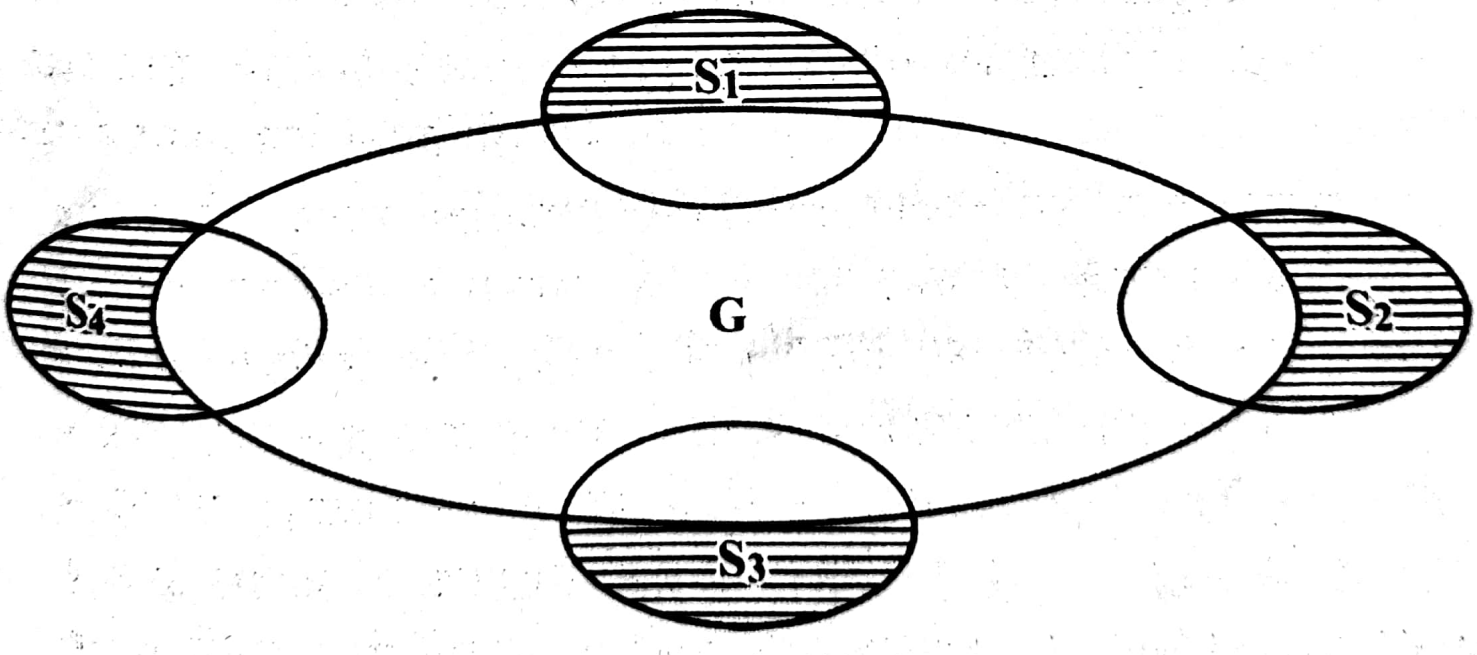

Two-Factor Theory

Scanned with CamScanner